Social Justice Union — Govt. Registered

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार, 16 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 227

असम में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात, जनजीवन बुरी तरह प्रभावित, रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी सेना

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम में लगातार बारिश के बाद दीमा हसाओ के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। इसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सेना के जवानों ने कल रात कछार जिले के बालिचरा और बरखोला के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान चलाया। इस दौरान बाढ़ के पानी में फंसे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

असानी चक्रवात आने के बाद से असम लगातार बारिश का सामना कर रहा है। यहां कई इलाकों में जलभराव हो गया है। बारिश और जलभराव से हजारों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई इमारतों को नुकसान भी पहुंचा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इसे लेकर रिपोर्ट जारी किया है। इसके अनुसार दीमा हसाओ में पिछले कुछ दिनों से बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कई ट्रेनों को करना पड़ा रद्द

बारिश और भूस्खलन के कारण पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के लुमडिंग-बदरपुर खंड में कई ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के चलते लुमडिंग मंडल के लुमडिंग-बदरपुर पर्वतीय खंड के अनेक हिस्सों में जलभराव हो गया। इसे को देखते हुए कई ट्रेन रद्द या फिर आंशिक तौर पर रद्द कर दी गई हैं।

रिहायशी इमारतों को पहुंचा नुकसान

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार दीमा हसाओ में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण जिले में जनजीवन प्रभावित हुआ है और कई रिहायशी व वाणिज्यिक इमारतों को नुकसान पहुंचा है। उपायुक्त नाजरीन अहमद ने एक परामर्श जारी कर लोगों को यात्रा से बचने को कहा है, क्योंकि भारी बारिश के कारण भूस्खल की घटनाएं हुई हैं जिससे सडक़ों की हालत खराब है।

केरल में भारी बारिश के मद्देनजर रेड, ऑरेन्ज, येलो अलर्ट जारी, मुख्य सचिव ने जारी किये निर्देश

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। केरल के मुख्य सचिव डॉ. वीपी जॉय ने राज्य में अगले तीन दिन भारी बारिश के अनुमान के बाद यहां के विभिन्न जिलों में रेड, ऑरेन्ज और येलो अलर्ट जारी किये जाने के मद्देनजर सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बीती शाम बुलाई गई एक आपात बैठक में कहा, भूस्खलन और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों से लोगों को निकाला जाना चाहिए। जरूरत पड़े तो शिविर भी शुरू किए जा सकते हैं। इन इलाकों में भोजन और पीने के पानी सहित बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि भूस्खलन और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में विशेष अलर्ट सिस्टम स्थापित किया गया है। राज्य में नियंत्रण कक्ष 24 घंटे काम कर रहे हैं। मौसम विभाग के सूत्रों ने रविवार को बताया कि एर्नाकुलम और इडुक्की जिले में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि यहां के कुछ पहाड़ी इलाकों में ऑरेन्ज अलर्ट जारी किया गया है, जहां कुछ दिनों पहले भारी बारिश हुई थी और आगे भी गरज के साथ बौछारें पडऩे का अनुमान है। तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर, मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में ऑरेंज अलर्ट जारी किये गये हैं। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है, लेकिन निचले, नदी के किनारे और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका के मद्दनेजर इन्हें हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मुंडका अग्निकांड मामला : बिल्डिंग का मालिक मनीष लाकड़ा हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुंडका अग्निकांड मामले में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दो दिन पहले आग में जलकर खाक हुई इमारत के मालिक मनीष लाकड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त समीर शर्मा ने कहा, हमने मनीष लाकड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। छापेमारी की दौरान उस दबोच लिया गया।

मुंडका का रहने वाला मनीष लाकड़ा बिल्डिंग के टॉप फ्लोर पर रहता था। आग लगने की घटना के बाद से वह फरार था। इस घटना में 27 लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि घटना के वक्त वह बिल्डिंग में मौजूद था या नहीं।

डीसीपी ने कहा, हमने दिल्ली और हरियाणा में कई जगह छापेमारी की, और आखिरकार उसके ठिकाने का पता चल गया। बिल्डिंग में ग्राउंड प्लस तीन मंजिल थी। ग्राउंड, पहली और दूसरी मंजिल पर एक ही कंपनी मौजूद थी। इस कंपनी के मालिक हरीश गोयल और वरुण गोयल को भी गिरफ्तार किया गया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग इमारत की दूसरी मंजिल पर मौजूद थे।

त्रिपुरा के 11वें मुख्यमंत्री बने माणिक साहा, 6 साल पहले कांग्रेस छोड़ थामा था भाजपा का दामन

नई दिल्ली (आरएनएस)। माणिक साहा ने त्रिपुरा के नए सीएम के तौर पर शपथ ली है। वह राज्य के 11वें मुख्यमंत्री बने हैं। उन्हें बिप्लव देव के इस्तीफे का बाद भाजपा ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने चमचमाते दरबार हॉल में एक सादे समारोह में साहा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। साहा ने अकेले ही शपथ ली क्योंकि मुख्यमंत्री के अचानक बदलने के बाद विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के बीच बड़े पैमाने पर कथित असंतोष के कारण पार्टी ने अभी तक उनके कैबिनेट सदस्यों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

बिप्लव कुमार देव के मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री जिष्णु देव वर्मा और राम प्रसाद पॉल सहित तीन पूर्व मंत्री तथा कई विधायक शपथ ग्रहण समारोह से दूर रहे। विप्लव देव हालांकि रतन लाल नाथ और आईपीएफटी नेता एवं पूर्व आदिवासी कल्याण मंत्री मेवार कुमार जमातिया तथा कुछ अन्य विधायकों और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे।

सीएम बनने के बाद साहा ने कहा, हम पीएम मोदी और बीजेपी के विकास के मुद्दे को लेकर आगे बढ़ेंगे। हम त्रिपुरा के लोगों के मुद्दों को हल करने के साथ-साथ राज्य में कानून-व्यवस्था को भी बढ़ाएंगे। हमारे लिए कोई राजनीतिक चुनौती नहीं है।

साहा कांग्रेस छोडक़र 2016 में भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा में आने के बाद माणिक को चार साल बाद 2020 में प्रदेश पार्टी अध्यक्ष बनाया गया। वह त्रिपुरा क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी बने। साहा को हाल ही में राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया था और अब उन्हें नए सीएम के रूप में घोषित किया गया है। माणिक साहा पेशे से डेंटिस्ट हैं और उनकी छवि बेहद साफ-सुथरी मानी जाती है। माणिक को भाजपा में किसी खेमे का नहीं माना जाता है।

सीडब्ल्यूसी की बैठक शुरू, कई प्रस्तावों पर लगी मुहर

उदयपुर (आरएनएस)। कांग्रेस चिंतन शिविर का रविवार को आखिरी और महत्वपूर्ण दिन है जिसमें कई चौंकाने वाले फैसले लिए जा सकते हैं। इसी को लेकर सीडब्ल्यूसी की बैठक शुरू हो गई है और छह सूत्रीय प्रस्ताव की रिपोर्ट सोनिया गांधी को सौंप दी गई है। प्रस्तावों की रिपोर्ट पर अब सीडब्ल्यूसी की बैठक में चर्चा की जाएगी। तीन दिन में तैयार हुए मसौदे पर अंतिम मुहर लग जाएगी। छह कमिटियों के अध्यक्षों और उनमें शामिल 430 वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस का भविष्य लगभग तैयार कर लिया है।

कांग्रेस के राजनीतिक प्रस्ताव में शामिल कुछ बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। इनमें ईवीएम का मुद्दा, चीन का मुद्दा, संस्कृतिक विरासत, संविधानों के मूलभूत सिद्धांतों और संवैधानिक संस्थानों पर भी फैसला लिया जा सकता है।

मिली जानकारी के अनुसार, मौजूदा हालात में सीबीआई, ईडी द्वारा दुरूपयोग और न्यायपालिका पर लोगों के घटते अविश्वास पर चिंता जाहिर की जाएगी। वहीं पूर्वोत्तर के राज्यों की सांस्कृतिक विरासत और राजनीतिक और भौगोलिक स्वायत्तता को बचाने के लिए अलग से रोड मैप तैयार किया जाएगा।

इसके अलावा ईवीएम को लेकर लगातार राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों की शंका के निवारण के लिए चुनाव आयोग को कदम उठाने की सलाह दी जा सकती है। चिंतन शिविर में कांग्रेस की हाल ही में हुई हार पर चर्चा के साथ साथ ईवीएम हैकिंग पर एक प्रेजेंटेशन भी दी गई है।

साथ ही चीन द्वारा लगातार हो रही घुसपैठ और अतिक्रमण पर मोदी सरकार के ढुलमुल रवैया और सच छुपाने की कोशिशों को उजागर करना और सरकार से चीन के घुसपैठ पर श्वेत पत्र की मांग शामिल होगी। संविधान के मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा के लिए और बीजेपी-आरएसएस के एजेंडे से देश को बचाने के लिए गांधी, नेहरू और अंबेडकर के सिद्धांतों पर आगे बढऩा जैसे कुछ बड़े फैसले लेगी।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में इन सभी पर चर्चा के बाद राहुल गांधी का सम्बोधन और फिर ऐसा भी कहा जा रहा है कि सोनिया गांधी का भी इस शिविर के आखिरी पड़ाव में संबोधन होगा। राजनीतिक प्रस्तावों के अलावा किसान-कृषि, युवा-संबंधी मुद्दे, सामाजिक न्याय और कल्याण और अर्थव्यवस्था शामिल है। एक परिवार एक टिकट, युवाओं, एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए 50 फीसदी आरक्षण, संसदीय दल बोर्ड गठन, यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई आंतरिक चुनाव शामिल है।

रेप केस में फंसे राजस्थान के मंत्री के बेटे, गिरफ्तार करने जयपुर पहुंची दिल्ली पुलिस

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी के खिलाफ दिल्ली में दर्ज रेप केस में गिरफ्तारी के लिए दिल्ली पुलिस की टीम जयपुर पहुंच गई है। दिल्ली पुलिस की टीम आज सुबह ही जयपुर पहुंची है। फिलहाल रोहित जोशी अंडरग्राउंड बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार किसी भी वक्त रोहित की गिरफ्तारी हो सकती है। दिल्ली पुलिस के एसीपी के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम जयपुर आई हुई है। पुलिस पहले रोहित की तलाश में एक घर में पहुंची लेकिन वह वहां नहीं मिला। उसके बाद पुलिस मंत्री महेश जोशी के जयपुर में सिविल लाइन वाले आवास पर पहुंची लेकिन रोहित वहां भी नहीं मिला।

अशोक गहलोत सरकार के जलदाय मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित के खिलाफ राजस्थान की 24 साल की युवती ने दिल्ली के सदर बाजार थाने में रेप केस दर्ज कराया है। पहले इस केस की एफआईआर राजस्थान पुलिस को भेजी जाने वाली थी लेकिन बाद में इसमें आए मोड़ के कारण दिल्ली पुलिस ने ही इसकी जांच करने का फैसला लिया है।

प्रारंभिक जांच-पड़ताल के बाद रविवार को सुबह दिल्ली पुलिस की 15 सदस्यीय टीम जयपुर पहुंच गई और रोहित जोशी की गिरफ्तारी के लिये दबिशें देनी शुरू कर दी है। ऐसे में माना जा रहा है कि आरोपी रोहित की कभी भी गिरफ्तारी हो सकती है।

भारत में केंद्र सरकार जल्द करेगा वेद आधारित शिक्षा बोर्ड का निर्माण

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में वैदिक शिक्षा को लेकर जल्द ही एक नई और बड़ी पहल की जा सकती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय वेद आधारित शिक्षा बोर्ड को मान्यता देने जा रहा है। वेद आधारित शिक्षा का यह बोर्ड किसी भी अन्य सामान्य शिक्षा बोर्ड की तरह कार्य करेगा। इस प्रक्रिया में न केवल वेद के जानकार बल्कि संस्कृत, भाषा और गणित के विशेषज्ञ भी शामिल किए जाएंगे।

दरअसल केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय छात्रों को वैदिक शिक्षा एवं वेद आधारित ज्ञान मुहैया कराने का पक्षधर है। हालांकि अभी तक वैदिक विद्या के लिए डिग्री की कोई व्यवस्था नहीं है। इसी के मद्देनजर भारत सरकार वेद प्रणाली को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोडऩे का निर्णय लेने जा रही है। इसके लिए एक बोर्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आधुनिक समाज में वेदों के पाठ की प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए एक विशेष वैदिक शिक्षा बोर्ड अस्तित्व में आएगा।

वेद शिक्षा पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का कहना है कि वेदों के सस्वर पाठ की प्रासंगिकता को आधुनिक समाज में बनाए रखने के लिए एक खास वैदिक शिक्षा बोर्ड अस्तित्व में आएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि वेद हमारी संस्कृति का आधार है। हमारी वैदिक परंपरा कालजयी है।

शिक्षा मंत्रालय ने इस विषय में आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि वेदों को विद्वता के साथ लोक अभ्यास का विषय बनाने के लिए भारत सरकार ने महर्षि सान्दीपनि प्रतिष्ठान की अगुआई में हमारे लोक आस्था के चारों धाम व मां कामाख्या के पदस्थान पर पांच वेद विद्यापीठ के निर्माण का निर्णय लिया है।

वेद विद्या से जुड़े रहे शिक्षाविद् शंकर लाल चतुवेर्दी का इस विषय पर कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में वेद शिक्षा खासी महत्वपूर्ण हो सकती है। वेद शिक्षा किसी धार्मिक पूजा पद्धति का विषय नहीं है बल्कि इसमें बेहतर जीवन जीने का ज्ञान एवं विज्ञान है। चतुवेर्दी के मुताबिक वेद का यह ज्ञान समाज के सभी वर्गों एवं संप्रदायों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। वैदिक गणित इसका जीता जागता उदाहरण है। चतुवेर्दी के मुताबिक वैदिक गणित का लाभ समाज के लगभग सभी छात्रों को मिल रहा है।

वहीं मौजूदा समय में कुछ गिने-चुने प्रतिष्ठित संस्थान छात्रों को वेद विद्या प्रदान कर रहे हैं। वेदों के सस्वर पाठ की प्रासंगिकता को आधुनिक समाज में बनाए रखने व वेदों के संरक्षण और संवर्धन के लिए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान देश भर के 6,000 से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है।

वैदिक गणित की चर्चा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हाल ही में मन की बात कार्यक्रम के दौरान कर चुके हैं। गौरतलब है कि मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विश्व को गणित के सबसे महत्त्वपूर्ण सूत्रों से अवगत कराने वाले भारत के लोगों के लिए गणित एक समस्या नहीं सहज विषय होना चाहिए। अपने बच्चों को यदि हम वैदिक गणित सिखाएंगे तो उनका गणित को लेकर डर भी समाप्त हो जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय चाहता है कि वैदिक गणित के जरिए गणित के क्षेत्र में भारत के योगदान, आचार्य पिंगला, आचार्य आर्यभट्ट, रामानुजन व पुरी के पूर्व शंकराचार्य जगद्गुरू स्वामी भारतीकृष्ण तीर्थ महाराज जैसे गणितज्ञों द्वारा पोषित भारत की समृद्ध गणित परंपराओं से युवाओं का मार्गदर्शन किया जाए।

अपने मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि वैदिक मैथ से आप बड़ी-बड़ी साइंटिफिक प्रॉब्लम भी सॉल्व कर सकते हैं। मैं चाहूंगा कि सभी माता-पिता अपने बच्चों को वैदिक मैथ जरूर सिखाएं। संस्कृत वैदिक शिक्षा के प्रसिद्ध शिक्षाविद हेमनगर कोटि प्रधानमंत्री के कथन से पूरी तरह सहमत हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

तमिलनाडु : खदान में विशाल पत्थर गिरने से 4 मजदूर फंसे, 2 को बचाया गया

नई दिल्ली (आरएनएस)। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में पोन्नाकुडी के पास एक खदान में बीती रात एक विशाल पत्थर गिरने के बाद दो लोगों को बचा लिया गया और चार अभी भी एक खदान में फंसे हुए हैं। घटना के बाद, बचाव अभियान के लिए अरक्कोनम से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की दो टीमों को बुलाया गया था। कई घंटों तक बचाव कार्य जारी रहा, मलबे में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है। नेल्लई जिला पुलिस अधीक्षक सरवनन घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। 4 बटालियन, अरक्कोनम के 30 कर्मियों से युक्त एक एनडीआरएफ टीम खदान खदानों के नीचे 300 फीट तक बोल्डर गिरने के कारण फंसे पीड़ितों को बचाने के लिए सडक़ मार्ग से पलयमकोट्टई तालुक पहुंची। एनडीआरएफ ने कहा, अरक्कोनम में हमारा 24&7 नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और तमिलनाडु राज्य प्रशासन के साथ मिलकर सभी प्रयास किए जा रहे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

पश्चिम बंगाल : कूड़े के ढेर में पड़े बक्से में जोरदार धमाका, 17 साल के युवक की दर्दनाक मौत

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के अजमतला में कूड़े के ढेर में पड़े देसी बम के धमाके से 17 साल के युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक ये घटना शनिवार को पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले में हुई। जानकारी के मुताबिक ये घटना कोलकाता से 15 किलोमीटर दूर अजमतला इलाके में हुई जो रहारा पुलिस थाने इलाके में आता है। मृतक की पहचान शेख साहिल के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक मृतक के दादा को कूड़े में एक लोहे का बक्सा मिला जिसे वो घर ले आए। बताया जा रहा है कि साहिल के दादा को लगा कि ये लोहे का कोई बक्सा है जिसमें कुछ भारी भरकम सामान होगा। घर पर मौजूद शेख साहिल ने वो बक्सा अपने दादा से ले लिया और उसे खोलने की कोशिश करने लगा। जब वो बक्सा उससे नहीं खुला तो उसने वो बक्सा जमीन पर फेंक दिया। जमीन पर फेंकते ही उस बक्से में जोदरार धमाका हुआ। पुलिस के मुताबिक घायल युवक को बैरकपुर स्थित बीएन बोस सब डिविजनल अस्पताल में भर्ती किया गया जहां से उसे सागर दत्ता अस्पताल में रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक सागर दत्ता अस्पताल में ले जाने के दौरान ही युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक इस बात की जांच की जा रही है कि कूड़े के ढेर में बम किसने रखा। कूड़दान में बम मिलने की घटना से इलाके में सनसनी मच गई है। कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल मौजूद है।

सबरीमाला में मासिक पूजा के लिए खुला भगवान अयप्पा मंदिर

सबरीमाला (आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर को मलयालम महीने एडवम के लिए 15 से 19 मई तक पांच दिवसीय पूजा हेतु खोल दिया गया है। पर्वतीय मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) को मेलसंथी (प्रधान पुजारी) एन परमेश्वरन नंबूदरी ने बीती शाम पांच बजे थंत्री महेश मोहनारू (मुख्य पुजारी) की उपस्थिति में खोला। इसके बाद मुख्य पुजारी ने गर्भगृह से लाई गई अग्नि से निचले तिरुमुत्तम में पवित्र अग्नि स्थान (आझी) को प्रज्ज्वलित किया। श्रीकोविल में हालांकि बीती शाम कोई अनुष्ठान नहीं किया गया। मासिक पूजा के तौर पर श्रद्धालुओं को रविवार की सुबह से दर्शन के लिए अनुमति है। इस दौरान गणपति होमम, उषा पूजा, उच्च पूजा, दीपराधना और अथाज पूजा, उदयस्थमन पूजा, कलाभाभिषेकम, पाडी पूजा और पुष्पाभिषेक सहित नियमित अनुष्ठान और पूजा की जाएगी। पूजा-अर्चना पूरी करने के बाद 19 मई को रात 10 बजे मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। केरल राज्य सडक़ परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने इस अवधि के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष सेवाएं शुरू कीं।